

## विषय-सूची

● गत वर्षों के हल प्रश्न-पत्र			
<b>1. संकल्पनाएँ, विचार, अवधियाँ</b>	<b>3-26</b>		
– संसार के इतिहास : संकल्पनाएँ, विचार तथा अवधियाँ	6	– मौर्य साम्राज्य का विघटन	100
– विश्व इतिहास : संकल्पनाएँ, विचार, शब्दावली	9	– संगम युग	101
– संसार के इतिहास : संकल्पनाएँ, विचार तथा अवधियों के महत्वपूर्ण तथ्य	15	– पाण्ड्य और पाण्ड्य राज्य	102
● वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर	21	– चोल राज्य	102
<b>2. सैध्व सभ्यता से महाजनपद काल तक 27-92</b>		– चेर राज्य	103
– प्राचीन भारतीय स्रोत		– संगम युग की विशेषताएँ	103
– पुरातात्विक स्रोत	27	– सामाजिक जीवन	103
– साहित्यिक स्रोत	27	– आर्थिक जीवन	104
– प्रागैतिहास तथा आद्य इतिहास	28	– शृंग-सातवाहन युगीन जीवन	105
– लौह प्रयोक्ता संस्कृति	28	– प्रशासन	105
– सिंधु सभ्यता का काल	29	– धर्म	106
– वैदिक संस्कृति (पूर्व एवं उत्तर वैदिक काल)	30	– समाज	107
– महाजनपद, गणराज्य, आर्थिक अभिवृद्धि	35	– अर्थव्यवस्था	108
– बौद्ध साहित्य में वर्णित गणराज्य	36	– व्यापार एवं वाणिज्य	108
– जैन धर्म	37	– संस्कृति-साहित्य, कला एवं स्थापत्य	109
– बौद्ध धर्म	40	– ललित कला	109
– मगध का उदय	45	– कुषाण वंश	110
– मेसोडोनियाई आक्रमण तथा उसके प्रभाव	46	– कुषाण युगीन जीवन	110
– भारत पर सिकंदर के आक्रमण का प्रभाव	47	– प्रशासन	110
● वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर	49	– धर्म	110
<b>3. चौथी शताब्दी ई.पू. से तृतीय शताब्दी ईस्वी तक</b>	<b>93-151</b>	– समाज	111
– मौर्य साम्राज्य की स्थापना (ई. पू. 322 से ई. पू. 185 तक)	93	– संस्कृति कला एवं स्थापत्य कला	111
– सम्राट् अशोक का धर्म	94	● वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर	113
– मौर्य कालीन प्रशासन	95	<b>4. चौथी से 12वीं शताब्दी तक भारत 152-202</b>	
– अर्थव्यवस्था	96	– गुप्तकाल	152
– कला एवं स्थापत्य	98	– चन्द्रगुप्त प्रथम (लगभग 319 ई. से 335 ई.)	152
		– समुद्रगुप्त (लगभग 335 ई. से 375 ई.)	152
		– समुद्रगुप्त का साम्राज्य विस्तार	153
		– चन्द्रगुप्त द्वितीय विक्रमादित्य (375 ई. से 414 ई.)	153
		– कुमारगुप्त प्रथम (415 ई. से 455 ई.)	153
		– स्कन्दगुप्त (455 ई. से 467 ई.)	154
		– गुप्तकालीन प्रशासन	154
		– वाकाटक वंश	156

— हर्ष	156	— सलुव वंश	210
— पल्लव वंश	160	— तुलुव वंश	210
— चालुक्य वंश	162	— तालीकोट का युद्ध (1565 ई.)	210
— बादामी या वातापी के चालुक्य	162	— अरविदु वंश	211
— राष्ट्रकूट वंश	163	— विजयनगर साम्राज्य की शासन व्यवस्था	211
— चोल राजवंश	165	— सामाजिक जीवन	212
— राजपूत काल	169	— कला और साहित्य	212
— कन्नौज के गुर्जर प्रतिहार	169	— आर्थिक दशा	213
— बंगाल का पाल-वंश	170	— राज्य और धर्म प्रभुसत्ता की अवधारणा	213
— मालवा का परमार राजवंश	170	— सल्तनत काल के सुल्तानों की धार्मिक नीति	214
— त्रिपुरी का कलचुरि राजवंश	171	— धार्मिक आंदोलन और सूफीमत	215
— कन्नौज का गहड़वाल राजवंश	172	— भक्ति आंदोलन के प्रमुख संत	216
— अजमेर और दिल्ली का चौहान वंश	172	— भक्ति आंदोलन की विशेषताएँ	218
— राजपूत राजनीति एवं प्रशासन	173	— भारत में सूफी सम्प्रदाय	218
— सामंतवाद	174	— मंगोल समस्या और उसका प्रभाव	223
— समाज	175	— मंगोल आक्रमणों का प्रभाव	223
— स्त्रियों की स्थिति	177	— प्रशासकीय संरचना	224
— गुप्तकाल के बाद	178	— साहित्य, कला एवं स्थापत्य	227
— शिक्षा केंद्र	179	— पुरातात्विक स्रोत	229
— अर्थव्यवस्था	179	— फारसी और गैर फारसी साहित्य	229
— धार्मिक प्रवृत्तियाँ	181	● वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर	232
— मंदिर स्थापत्य की शैलियाँ	183	<b>6. भारत 1526 के बाद</b>	<b>258-302</b>
— कला-साहित्य	183	— विस्तार व संगठन	258
— विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का विकास	185	— मुगल-राजपूत सम्बन्ध	
— भारत का बाह्य जगत् से सम्पर्क	186	— बाबर और हुमायूँ की राजपूत नीति	261
— चीन के साथ भारत के सम्बन्ध	188	— अकबर की राजनीति	261
— ईरान के साथ भारत के सम्बन्ध	189	— जहाँगीर : स्थिरता तथा विस्तार का काल	265
● वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर	190	— मुगल साम्राज्य का पतन : राजनीतिक,	
<b>5. भारत 1206 से 1526 तक</b>	<b>203-257</b>	प्रशासनिक एवं आर्थिक कारण	266
— मध्यकालीन भारतीय इतिहास	203	— शिवाजी : साम्राज्य विस्तार एवं प्रशासन	266
— मुहम्मद गौरी	204	— मराठा प्रशासन	268
— तुर्क	204	— मराठा संघ : पतन के कारण	269
— खिलजी वंश	205	— शेरशाह के प्रशासनिक सुधार	270
— तुगलक वंश	206	— मुगल प्रशासन	274
— सैय्यद वंश	206	— मुगल प्रशासन, भू-राजस्व और आय के	
— लोदी वंश	206	अन्य स्रोत	276
— विजयनगर और बहमनी साम्राज्य	207	— मनसबदारी और जागीरदारी	277
— संगम वंश	209	● वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर	278

<b>7. मुगलों के अंतर्गत सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन</b>	<b>303-338</b>		
— ग्रामीण समाज और अर्थव्यवस्था	303	— परिवहन	398
— कला, स्थापत्यकला और साहित्य	303	— संक्रमणकालीन भारतीय समाज, ईसाई मिशन	398
— व्यापार और वाणिज्य	309	— सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलन	398
— अकबर से औरंगजेब तक धार्मिक नीति	311	— महाराष्ट्र में धार्मिक सुधार	399
— शहरी केंद्र और उद्योग	313	— प्रार्थना समाज	399
— मुगलकाल में मुद्रा	316	— रामकृष्ण मिशन	399
— महिलाओं की स्थिति	316	— स्वामी दयानंद और आर्यसमाज	399
● वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर	319	— यंग बंगाल आंदोलन	399
<b>8. ब्रिटिश राज्य की स्थापना</b>	<b>339-385</b>	— थियोसोफिकल सोसायटी	400
— यूरोपीय शक्तियों का उदय	339	— मुस्लिम सुधार आंदोलन	400
— ब्रिटिश सत्ता का विस्तार एवं संगठन	341	— सिक्ख सुधार आंदोलन	400
— प्रमुख भारतीय शक्तियों के साथ ब्रिटिश सम्बन्ध	341	— पारसी सुधार आन्दोलन	400
— ईस्ट इण्डिया कम्पनी एवं क्राउन के अधीन प्रशासन	344	— सामाजिक सुधार के लिए लाये गये अधिनियम	400
— परमोच्च शक्ति	345	— स्त्रियों की स्थिति	401
— सिविल सेवा	346	— नवीन शिक्षण नीति, अंग्रेजी भाषा	402
— न्यायिक	347	— आधुनिक विज्ञान	402
— पुलिस सेवा तथा सेना	349	— पत्रकारिता	402
— स्थानीय स्वशासन	350	— भारतीय भाषाएँ एवं साहित्य	404
— संवैधानिक विकास 1909 से 1935	350	● वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर	406
● वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर	352	<b>10. राष्ट्रीय आन्दोलन एवं स्वातंत्र्योत्तर भारत</b>	<b>420-492</b>
<b>9. आर्थिक एवं सामाजिक नीतियाँ</b>	<b>386-419</b>	— राष्ट्रवाद का उदय	420
— भू-राजस्व, कृषि एवं भूमि सम्बन्धी अधिकार	386	— 1857 का विद्रोह	421
— बंगाल का स्थायी भू-बन्दोबस्त	386	— विद्रोह के कारण	421
— महालवाड़ी व्यवस्था	387	— 1857 का विद्रोह : प्रमुख केन्द्र	422
— रैयतवाड़ी पद्धति	388	— विद्रोह के बाद संवैधानिक परिवर्तन	422
— अकाल एवं अकाल नीति	388	— जनजातीय एवं कृषक आन्दोलन	422
— भारत के प्रमुख अकाल	389	— विरोध का स्वरूप	423
— अकालों को रोकने हेतु अंग्रेजी प्रयत्न	390	— कृषक आन्दोलन	426
— ग्रामीण ऋणग्रस्तता	391	— प्रमुख कृषक आन्दोलन	426
— व्यापार एवं उद्योग नीति	392	— भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की विचारधारा एवं कार्यक्रम	431
— प्राचीन लघु-उद्योगों का पतन	393	— आरम्भिक राष्ट्रवादियों के कार्यक्रम और कार्यकलाप	431
— आधुनिक उद्योगों का विकास	394	— उग्रपंथी नेताओं का राजनीतिक उद्देश्य एवं कार्य पद्धति	432
— मजदूरों की दशा एवं मजदूर आंदोलन	395	— स्वदेशी आन्दोलन	433
— कारखाना अधिनियम	396	— भारतीय क्रान्तिकारी आन्दोलन भारत एवं विदेश में	433
— निकास सिद्धांत	396	— गांधीवादी जन आन्दोलन	434
— बैंकिंग	397		
— भारत में यूरोपीय बैंकिंग का प्रारम्भ	397		

— पाकिस्तान का उद्भव	438	— इतिहास में पक्षपात के प्रमुख कारण	510
— भारत स्वतंत्रता एवं विभाजन की ओर	438	— साहित्य के साथ इतिहास का सम्बन्ध	511
— माउन्टबेटन योजना	438	— इतिहास लेखन के स्रोत के रूप में साहित्य की प्रासंगिकता व प्रमाणिकता	511
— स्वातन्त्र्योत्तर भारत विभाजन के बाद पुनर्वास	439	— ऐतिहासिक लेखन के स्वरूप में पूर्वाग्रह का अन्तर्निहित होना	512
— भारतीय रियासतों का विलय	440	— अतीत के पुनर्निर्माण में अभिलेखीय साक्ष्यों की उपयोगिता	512
— कश्मीर प्रश्न	440	— इतिहास महान् पुरुषों के आत्म चरित्र के अलावा कुछ भी नहीं है	513
— भारतीय संविधान का निर्माण	441	— सब-अल्टर्न इतिहास	514
— नौकरशाही एवं पुलिस का ढाँचा	442	— क्षेत्रीय इतिहास की प्रासंगिकता व सार्थकता	515
— नौकरशाही की विशेषता	442	— भारतीय इतिहास लेखन की आधुनिक धाराओं का परीक्षण	516
— भारत में पुलिस प्रशासन	445	— सभी इतिहास समकालीन इतिहास है	517
— आर्थिक नीतियाँ एवं योजना प्रक्रिया	447		
— राज्यों का भाषायी पुनर्गठन	447		
— विदेश नीति सम्बन्धी पहल कार्य	448		
— भारत की विदेश नीति के मौलिक सिद्धान्त	448		
● वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर	450		
<b>11. इतिहास में आधुनिकवाद</b>	<b>493-517</b>		
— इतिहास का अर्थ	493	<b>ऐच्छिक-1</b>	
— इतिहास का क्षेत्र	494	<b>प्राचीन भारतीय इतिहास</b>	<b>518-573</b>
— ऐतिहासिक वस्तुनिष्ठता	500	● वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर	<b>547</b>
— ऐतिहासिक वस्तुनिष्ठता की समस्याएँ	500	<b>ऐच्छिक-2</b>	
— इतिहास की विषयवस्तु	506	<b>मध्यकालीन भारतीय इतिहास</b>	<b>574-657</b>
— इतिहास-विषयवस्तु की दार्शनिक अवधारणा	506	● वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर	<b>618</b>
— इतिहास में वस्तुनिष्ठता	507	<b>ऐच्छिक-3</b>	
— ऐतिहासिक वस्तुनिष्ठता में बाधक तत्व	508	<b>आधुनिक भारतीय इतिहास</b>	<b>658-720</b>
— वस्तुनिष्ठता का अर्थ	508	● वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर	<b>702</b>
— इतिहास में पक्षपात	509		
— इतिहास में निष्पक्षता की अपेक्षा	510		